इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात की बढती सम्भावनाओं पर वेबिनार
यूसीसीआई सदस्यों ने रखी सरकार के समक्ष अपनी अपेक्षाएं

एमएसएमई सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' की नई योजनाओं के बारे में

उदयपुर, 14 अगस्त 2020। उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा एमएसएमई विकास संस्थान–जयपुर, एमएसएमई मंत्रालय–भारत सरकार, इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इण्डिया–नई दिल्ली तथा वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर–जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में "इंजीनिरिंग उत्पादों के निर्यात के बढते अवसर" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय उत्पादों का विदेशों में प्रचार–प्रसार तथा इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन प्रदान करना था।

कार्यक्रम के सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए यूसीसीआई के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार सिंघवी ने एमएसएमई मंत्रालय को उदयपुर सम्भाग के उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु स्पेशल इकोनॉमिक जोन बनाए जाने का सुझाव दिया। साथ ही श्री सिंघवी ने निर्यात गारन्टी योजनाओं में सुधार किये जाने, उद्यमियों को वर्किंग कैपीटल जुटाने में सहायता करने तथा निर्यातकों की समस्याओं पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ईईपीसी के सीनियर डिप्टी डायरेक्टर (इन्टरनेशनल ट्रेड) डॉ. सुरेन्द्र सिंह नन्दा थे जो नई दिल्ली से विडियो कॉन्फ्रेन्सिग के माध्यम से कार्यक्रम से जुडे। उन्होंने अपने प्रेजेनटेशन में 'भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों की वैश्विक स्तर पर बढती मांग और प्रभाव' विषय पर प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ. नन्दा ने राजस्थान एवं विशेष रूप से उदयपुर सम्भाग की इंजीनियरिंग कम्पनियों को अपने निर्यात में वृद्धि करने हेतु प्रेरित किया।

वेबिनार में एमएसएमई मंत्रालय की ओर से एमएसएमई विकास संस्थान–जयपुर के निदेशक श्री वी.के. शर्मा विशिष्ट वक्ता थे। श्री शर्मा ने राजस्थान में

इंजीनियरिंग उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य में विकास के अवसरों के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी।

एमएसएमई–डीआई, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार, जयपुर के उप निदेशक श्री विकास गुप्ता ने एमएसएमई क्षेत्र के उद्योगों हेतु सरकार द्वारा जारी की गई नई वित्तीय योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया तथा प्रतिभागी उद्यमियों से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आव्हान किया।

वेबिनार में भारतीय स्टेट बैंक, जयपुर के मुख्य क्रेडिट अधिकारी डा. एस. विजय कुमार द्वारा ''एमएसएमई और निर्यातकों के लिए क्रेडिट योजनाएं'' विषय पर जानकारी देते हुए बैंक द्वारा एमएसएमई सेक्टर को उपलब्ध कराई जा रही वित्तिय सुविधा तथा इनसे जुड़े व्यवहारिक मुद्दों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. एस. विजय कुमार ने उद्यमियों को वर्किंग कैपीटल जुटाने में आ रही परेशानियों के बारे में चर्चा करते हुए बैंक द्वारा लघु एवं मध्यम उद्योग वर्ग को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराये जाने का आश्वासन दिया।

प्रश्नकाल के दौरान उद्यमियों एवं निर्यातकों की शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का विषय विशेषज्ञों ने समाधान किया।

वेबिनार का संचालन एमएसएमई–डीआई, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार, जयपुर के श्री आर.एस. दहिया तथा वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर–जयपुर के सहायक निदेशक श्री नवनीत अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में इंजीनियरिंग मैन्युफैक्चरिंग इण्डस्ट्री से जुडे उद्यमियों तथा निर्यात व्यवसाय से जुड़े व्यवसायियों सहित लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री हेमन्त जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

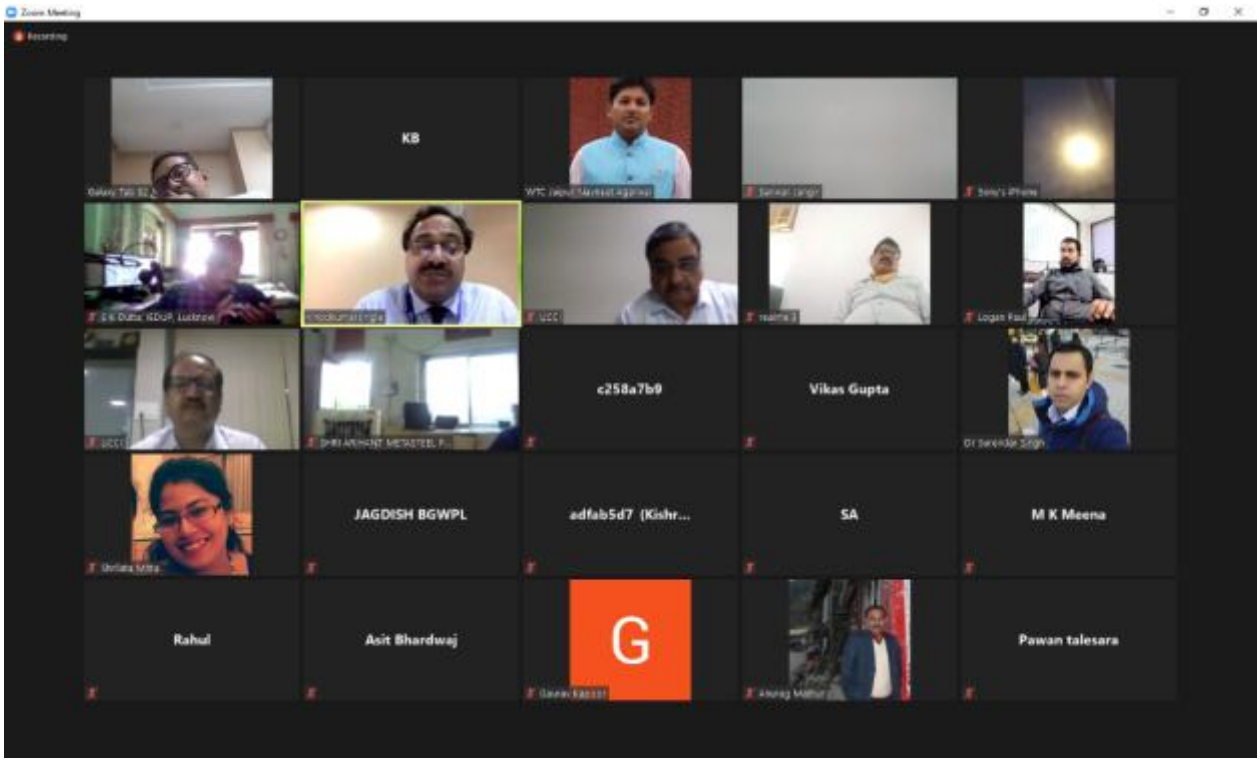

1

इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात की बढ़ती सम्भावनाओं पर चर्चा

उदयपुर. उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की ओर से 'इंजीनिरिंग उत्पादों के निर्यात के बढ़ते अवसर' विषयक वार्ता हुई। स्वागत अध्यक्ष रमेश कुमार सिंघवी ने करते हुए एमएसएमई मंत्रालय को उदयपुर सम्भाग के उद्योगों को प्रोत्साहन देने स्पेशल इकोनॉमिक जोन बनाने का सुझाव दिया। निर्यात गारन्टी योजनाओं में सुधार, उद्यमियों को वर्किंग कैपिटल जुटाने में सहायता तथा निर्यातकों की समस्याओं पर बात की। मुख्य वक्ता डॉ. सुरेन्द्र सिंह नन्दा ने भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों की वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग और प्रभाव विषय पर चर्चा की। एमएसएमई विकास संस्थान निदेशक वी.के. शर्मा ने राजस्थान में इंजीनियरिंग उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य पर विचार रखे।

विकास गुप्ता, बैंक अधिकारी डॉ. एस. विजय कुमार द्वारा, आर.एस. दईया तथा नवनीत अग्रवाल ने भी सुझाव दिए। हेमन्त जैन ने आभार जताया।

2

संभाग के उद्योगों को प्रोत्साहन के लिए बनाया जाए स्पेशल इकोनॉमिक जोन : यूसीसीआई

उदयपुर | इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात के बढ़ते अवसर" विषय पर शुक्रवार को वेबिनार हुआ। वेबिनार में उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (यूसीसीआई), एमएसएमई विकास संस्थान, केंद्र सरकार के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें मुख्य रूप से भारतीय उत्पादों का विदेशों में प्रचार-प्रसार और इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन देने पर चर्चा की। चैम्बर अध्यक्ष रमेश कुमार सिंघवी ने एमएसएमई मंत्रालय के सामने उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए संभाग में स्पेशल इकोनॉमिक जोन बनाने का सुझाव रखा। वहीं सिंघवी ने निर्यात गारंटी योजनाओं में सुधार किये जाने पर विचार रखे। ईईपीसी के सीनियर डिप्टी डायरेक्टर डॉ. सुरेन्द्र सिंह नंदा ने इंजीनियरिंग उत्पादों की वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग और प्रभाव पर विचार रखें। एमएसएमई विकास संस्थान-जयपुर के निदेशक वीके शर्मा ने प्रदेश में इंजीनियरिंग उद्योग की वर्तमान स्थिति और भविष्य में विकास के अवसरों के बारे में जानकारी दी। एसबीआई के मुख्य क्रेडिट अधिकारी डॉ. एस. विजय कुमार ने भी वर्किंग कैपिटल जुटाने में आ रही परेशानियों पर चर्चा की।

3

उद्योगों को प्रोत्साहन के लिए स्पेशल इकोनॉमिक जोन का सुझाव

इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात की बढ़ती संभावनाओं पर वेबिनार

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की ओर से एमएसएमई विकास संस्थान-जयपुर, भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय, इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इण्डिया-नई दिल्ली तथा वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर-जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'इंजीनिरिंग उत्पादों के निर्यात के बढ़ते अवसर' विषय पर वेबिनार हुआ। आयोजन का उद्देश्य भारतीय उत्पादों का विदेशों में प्रचार-प्रसार तथा इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन प्रदान करना था।

यूसीसीआई अध्यक्ष रमेश कुमार सिंघवी ने एमएसएमई मंत्रालय को उदयपुर सम्भाग के उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए स्पेशल इकोनॉमिक जोन बनाए जाने का सुझाव दिया। साथ ही निर्यात गारन्टी योजनाओं में सुधार किये जाने, उद्यमियों को वर्किंग केपिटल जुटाने में सहायता करने तथा निर्यातकों की समस्याओं पर अपने विचार रखे। मुख्य वक्ता ईईपीसी के सीनियर डिप्टी डायरेक्टर (इन्टरनेशनल ट्रेड) डॉ. सुरेन्द्र सिंह नन्दा भी वीसी से जुड़े। उन्होंने प्रेजेनटेशन में भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों की वैश्विक स्तर पर बढती मांग और प्रभाव विषय पर प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ. नन्दा ने राजस्थान एवं विशेष रूप से उदयपुर सम्भाग की इंजीनियरिंग कम्पनियों को अपने निर्यात में वृद्धि करने के लिए प्रेरित किया। वेबिनार में एमएसएमई मंत्रालय की ओर से एमएसएमई विकास संस्थान-जयपुर के निदेशक वीके शर्मा ने राजस्थान में इंजीनियरिंग उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य में विकास के अवसरों के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी।

1 राजस्थान पत्रिका

2 दैनिक भास्कर

3 दैनिक नवज्योति

UDAIPUR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY
Chamber Bhawan, Chamber Marg, M.I.A., Udaipur-313003 (Raj.)
Ph. : 0294-2492215, 2491060
www. ucciudaipur.com | E-mail : uccisec@gmail.com

4

इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात की बढ़ती संभावनाओं पर वेबिनार का आयोजन

यूसीसीआई सदस्यों ने रखी सरकार के समक्ष अपनी अपेक्षाएं

बिजनेस रेमेडीज/उदयपुर। उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा एमएसएमई विकास संस्थान-जयपुर, एमएसएमई मंत्रालय-भारत सरकार, इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया-नई दिल्ली तथा वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर-जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात के बढ़ते अवसर' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय उत्पादों का विदेशों में [illegible] तथा इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन प्रदान करना था।

कार्यक्रम के सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए यूसीसीआई के अध्यक्ष रमेश कुमार सिंघवी ने एमएसएमई मंत्रालय को उदयपुर संभाग के उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु स्पेशल इकोनॉमिक जोन बनाए जाने का सुझाव दिया। साथ ही सिंघवी ने निर्यात संबंधी योजनाओं में सुधार किये जाने, उद्यमियों को वर्किंग कैपिटल जुटाने में सहायता करने तथा निर्यातकों की समस्याओं पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ईईपीसी के सीनियर डिप्टी डायरेक्टर (इंटरनेशनल ट्रेड) डॉ. सुरेन्द्र सिंह कक्कड़ थे, जो नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने अपने प्रेजेंटेशन में 'भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों की वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग और प्रभाव' विषय पर प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी। डॉ. कक्कड़ ने राजस्थान एवं विशेष रूप से उदयपुर संभाग की इंजीनियरिंग कम्पनियों को अपने निर्यात में वृद्धि करने हेतु प्रेरित किया।

वेबिनार में एमएसएमई मंत्रालय की ओर से एमएसएमई विकास संस्थान-जयपुर के डिप्टी डायरेक्टर वी.के. शर्मा विशिष्ट वक्ता थे। शर्मा ने राजस्थान में इंजीनियरिंग उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य में निर्यात के अवसरों के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी।

एमएसएमई-डीआई, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार, जयपुर के उप निदेशक विकास गुप्ता ने एमएसएमई क्षेत्र के उद्योगों हेतु सरकार द्वारा जारी की गई नई विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया तथा प्रतिभागी उद्यमियों से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

वेबिनार में भारतीय स्टेट बैंक, उदयपुर के मुख्य क्रेडिट ऑफिसर डॉ. एस. विजय कुमार द्वारा 'एमएसएमई और निर्यातकों के लिए बैंकिंग योजनाएं' विषय पर जानकारी देते हुए बैंक द्वारा एमएसएमई सेक्टर को उपलब्ध कराई जा रही बैंकिंग सुविधा तथा इनसे जुड़े व्यावहारिक मुद्दों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. एस. विजय कुमार ने उद्यमियों को वर्किंग कैपिटल जुटाने में आ रही परेशानियों के बारे में चर्चा करते हुए बैंक द्वारा लघु एवं मध्यम उद्योग वर्ग को हर संभव सहायता उपलब्ध कराये जाने का आश्वासन दिया।

प्रश्नकाल के दौरान उद्यमियों एवं निर्यातकों की शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का विषय विशेषज्ञों ने समाधान किया। वेबिनार का संचालन एमएसएमई-डीआई, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार, जयपुर के आर.एस. कहैया तथा वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर-जयपुर के सहायक निदेशक नवीन अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग मेन्युफेक्चरिंग इण्डस्ट्री से जुड़े उद्यमियों तथा निर्यात व्यापार से जुड़े व्यवसायियों सहित लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

4 बिजनेस रेमेडीज